BHMCT-103

B.A. (PERFORMING ARTS)
HINDUSTANI MUSIC (HONOURS)
(BAPFHMH)

Term-End Examination

June, 2022

BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : ***All*** *the questions are* ***compulsory****.*

1. Fill in the blanks in the following sentences with suitable options : *10×2=20*

(a) The music sung by common people for their entertainment is called _____.

(b) The swara with which the beginning of Jati gayan is done is known as _____ swara.

(c) The process of establishing swaras of Shadaj and Madhyam gram on the Veena by Bharat was known as _____ _____.

(d) In ancient music the classification of ragas were done in _____ _____ categories.

(e) In the 20^{th} century _____ propounded the system of Ragang classification.

(f) Raja Saurindra Mohan Tagore, for the first time, created a notation system for Indian music education, that was known as _____ notation.

(g) _____ was the writer of 'Sangeet Samayasar'.

(h) There are total _____ chapters in 'Sangeet Ratnakar'.

(i) Pandit Vishnu Digambar Paluskar is the founder of _____.

(j) The Vadi and Samvadi swara of Raga Desh is _____ and _____.

Options :

Gram Raga – Upraga, Gandharv, Mahavidyalaya, Deshi, Seven, Sarana Chatushthayi, Jainacharya Parshvadev, Re and Pa, Narayan Moreshwar Khare, Grah, Dandmatrik Swarlipi.

2. Name the authors of the following books : *5*

(a) Hindustani Sangeet Paddhati

(b) Kramik Pustak Maalika

(c) The Music of Hindustan

(d) The Universal History of Music

(e) Sangeet Bal Prakash

3. Name the treatise written by the following authors : *5*

(a) Matang

(b) Parshvadev

(c) Pandit Ahobal

(d) Raja Mansingh Tomar

(e) Nishank Sharangdev

4. Write short notes on any ***six*** topics from the following : *6×5=30*

(a) Ancient Raga Classification System

(b) Thaat Raga Classification System

(c) Description and Swara Maalika of Raga Desh

(d) Description and Theka of Ektaal

(e) Sandhiprakash Raga

(f) When and how did Bilawal Thaat get recognized as Shudh Saptak ?

(g) Process of Bharat's Sarana Chatushtayi

(h) Murchanas of Shadaj and Madhyam Gram

5. Write detailed answers of any ***two*** questions from the following : *2×20=40*

(a) Elaborate on systems of Thaat raga classification and Ragang classification and explain the differences between the two.

(b) Explain in detail the role of various European writers in introducing Indian music to world music.

(c) Throw light on how the ragas in Hindustani Music are arranged according to Time theory.

बी.ए. (प्रदर्शन कला)
हिन्दुस्तानी संगीत (ऑनर्स)
(बी.ए.पी.एफ.एच.एम.एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूल सिद्धांत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

1. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्पों से कीजिए : *10×2=20*

(क) आम जन द्वारा अपने मनोरंजन के लिए गाये जाने वाले संगीत को _____ कहा जाता है ।

(ख) जाति गायन का आरंभ जिस स्वर से होता है, उसे _____ स्वर कहा जाता है ।

(ग) भरत द्वारा वीणा पर षड्ज तथा मध्यम ग्राम के स्वरों की स्थापना की प्रक्रिया को _____ _____ कहा जाता है ।

(घ) प्राचीन संगीत में रागों का वर्गीकरण _____ _____ वर्गों में किया जाता था ।

(ङ) बीसवीं शताब्दी में _____ ने रागांग वर्गीकरण पद्धति का प्रतिपादन किया ।

(च) राजा सौरिन्द्र मोहन टैगोर ने पहली बार भारतीय संगीत शिक्षा हेतु स्वरलिपि पद्धति बनाई जिसे _____ स्वरलिपि के नाम से जाना जाता है ।

(छ) 'संगीत समयसार' के लेखक _____ थे ।

(ज) 'संगीत रत्नाकर' में कुल _____ अध्याय हैं ।

(झ) पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर _____ के संस्थापक हैं ।

(ञ) राग देस का वादी, _____ और संवादी स्वर _____ है ।

विकल्प :

ग्राम राग – उपराग, गांधर्व, महाविद्यालय, देशी, सात, सारणा चतुष्ट्य, जैनाचार्य पार्श्वदेव, रे और प, नारायण मोरेश्वर खरे, ग्रह, दण्डमात्रिक स्वरलिपि ।

2. निम्नलिखित पुस्तकों के लेखकों के नाम लिखिए : *5*

(क) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति

(ख) क्रमिक पुस्तक मालिका

(ग) द म्यूज़िक ऑफ हिन्दुस्तान

(घ) द यूनिवर्सल हिस्ट्री ऑफ म्यूज़िक

(ङ) संगीत बाल प्रकाश

3. निम्नलिखित ग्रन्थकारों द्वारा लिखे गए ग्रन्थों के नाम लिखिए : *5*

(क) मतंग

(ख) पार्श्वदेव

(ग) पंडित अहोबल

(घ) राजा मानसिंह तोमर

(ङ) निःशंक शारंगदेव

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***छह*** विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6×5=30*

(क) प्राचीन राग वर्गीकरण पद्धति

(ख) थाट राग वर्गीकरण पद्धति

(ग) राग देस का संक्षिप्त विवरण और स्वर मालिका

(घ) एकताल का परिचय और ठेका

(ङ) संधिप्रकाश राग

(च) बिलावल थाट को शुद्ध सप्तक के रूप में मान्यता कब और कैसे प्राप्त हुई ?

(छ) भरत का सारणा चतुष्टयी की प्रक्रिया

(ज) षड्ज और मध्यम ग्राम की मूर्च्छनाएँ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए : *2×20=40*

(क) थाट राग वर्गीकरण तथा रागांग वर्गीकरण पद्धतियों को समझाइए और इन दोनों के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) भारतीय संगीत का विश्व संगीत मंच पर परिचय दिलाने में विभिन्न यूरोपियन लेखकों की भूमिका को विस्तारपूर्वक बताइए ।

(ग) हिन्दुस्तानी संगीत में किस प्रकार रागों को समय सिद्धान्त के अनुसार व्यवस्थित किया गया है, इस पर प्रकाश डालिए ।